

27/09/16

राज्य द्वारा एडीपीओ श्री राजकुमार उप0 ।
अभियुक्त गणपत एवं सखाराम एवं रूखडिया सहित अधि0 श्री संदीप शर्मा ।

आरोपी संजय एवं दीपक सहित अधि0 श्री पी0के0मुकाती उप0 ।
प्रकरण आरोप के संबंध में उभयपक्ष को सुना गया ।

अभियोजन का मामला संक्षिप्त में इस प्रकार है कि दिनांक 4.9.16 को 5.30 बजे मुकेश नर्मदा पट्टी की तरफ जा रहा है योगमाया मंदिर के पास दो ट्रैक्टर रेत के अवैध खनन के आते हुये दिखायी दिये उसने पुलिस को सूचना दी उन्हें रोका गया जिसमें ट्रैक्टर महिन्द्रा 415 ट्रैक्टर स्वराज 841 थे उक्त ट्रैक्टरों में टालिया रेत भरकर चोरी से लायी जा रही थी पुलिस की मदद से दोनों ट्रैक्टरों को थाने पर लाया गया। घटना के समय पवन, सुलभ, आनंद, राहुल ने मदद की महेन्द्र ट्रैक्टर का मालिक गणपत भी था।

इस प्रकार की रिपोर्ट को थाना बडवानी के अप0क्र0 483/16 पर 7.12 बजे दर्ज किया गया है तत्पश्चात प्रकरण के विवेचक मोहन तिवारी सहायक उपनिरीक्षक बडवानी द्वारा प्रकरण में विवेचना की गयी।

विवेचना के दौरान घटनास्थल का नक्शामौका दिनांक 4.9.16 को रात के 9.00 बजे तैयार किया गया। विवेचना के दौरान आनंदसिंह से ट्रैक्टर महिन्द्रा एवं ट्रैक्टर स्वराज दिनांक 4.9.16 को ही 7.10 बजे जप्त किये गये। दिनांक 12.9.16 को दीपक से स्वराज ट्रैक्टर के पंजीयन के प्रमाण पत्र को जप्त किया गया। दिनांक 12.9.16 को रूखडिया से महिन्द्रा ट्रैक्टर का पंजीयन के दस्तावेज जप्त किये गये। दिनांक 4.9.16 को गणपत, सखाराम, संजय, को तथा दिनांक 12.9.16 दीपक एवं रूखडिया को गिरफ्तार किया गया।

दिनांक 4.9.16 को ही साक्षी पवन, आनंद, मुकेश, सुभम तथा राहुल के कथन लेख किये गये।

जहाँ तक साक्षियों के द्वारा विवेचक मोहन तिवारी को जो कथन दिये गये हे उनका प्रश्न है उन सभी ने एकमत होकर एक भाषा में यह कहा है कि उन्होंने ट्रैक्टर को भरा हुआ रेत से आता देखा पुलिस को सूचना दी उनके पास रायल्टी नहीं थी वे चोरी करके रेत को ले जा रहे थे उनके चालको सहित ट्रैक्टर को थाने लाया गया ट्रैक्टर का मालिक गणपत और रूखडिया थे। यहाँ सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जब प्रथम सूचना रिपोर्ट को लेख कराया गया उस समय ट्रैक्टर चालक के रूप में प्रथम सूचना रिपोर्ट में किसी का नाम उल्लेखित नहीं है यह भी स्पष्ट नहीं है कि कौन अभियुक्त को रेत से भरी टाली को चलाकर ले जा रहा था। गणपत के बारे में यह कहा गया है कि गणपत साथ में था। प्रथम सूचना रिपोर्ट से लेकर

साक्षियों के कथनों में कही भी यह नहीं आया है कि अभिकथित आरोपीगण में से कोई आरोपी ट्रैक्टर को चलाते हुये चोरी कर रेत को ले जा रहा था।

जहाँ तक वाहन के जप्त किये जाने का प्रश्न है उक्त जप्ती आनंद से की गयी है और आनंद को इस प्रकरण में अभियुक्त नहीं बनाया गया है दोनों ट्रैक्टर महिन्द्रा एवं स्वराज को अभियोजन के अनुसार थाने ले जाया गया और वहाँ ट्रैक्टर को जप्त किया गया। परंतु उक्त दोनों ट्रैक्टरों को जिस दिन रिपोर्ट लिखायी गयी अर्थात् दिनांक 4.9.16 को ही आनंद से जप्त करना बताया गया प्रकरण के उल्लेखित किसी भी अभियुक्त से उक्त दोनों ट्रैक्टरों को जप्त करना नहीं बताया गया। ऐसी स्थिति में अभिलेख पर जो भी साक्ष्य आयी है उसके आधार पर प्रथम दृष्टया यह प्रमाणित नहीं है कि अभियुक्तगण में से कोई अभियुक्त उक्त ट्रैक्टर का चला रहा था और ट्रैक्टर में खनिज रेत को चोरी कर ले जा रहा था। क्योंकि उक्त रेत या ट्रैक्टर किसी भी अभियुक्त के आधिपत्य से जप्त नहीं हुआ है।

जहाँ तक दीपक और रूखडिया का प्रश्न है इन दोनों से उक्त ट्रैक्टरों के पंजीकरण के दस्तावेज जप्त किये गये हैं उक्त दस्तावेजों के आधार पर प्रथम दृष्टया यह नहीं माना जा सकता कि उनके द्वारा खनिज की चोरी की गयी या उक्त चोरी की संपत्ति उनके आधिपत्य में थी उक्त दोनों व्यक्तियों को घटनास्थल पर पकड़ा भी नहीं गया है।

प्रकरण में गणपत के संबंध में अवश्य यह आया है कि वह घटना के समय था परंतु किसी भी साक्षी ने यह कथन नहीं किया है कि वह रेत की चोरी कर आ रहा था या चोरी की संपत्ति उससे जप्त हुयी या चोरी की संपत्ति उसके आधिपत्य में थी या उक्त संपत्ति को चुराये जाने के संबंध में वह किसी को सहयोग कर रहा था।

अभियोजन की ओर से जो अभियोग पत्र पेश हुआ है वह बड़ा ही हास्यास्पद है अभियोग पत्र में कही भी यह उल्लेखित नहीं है कि किस अभियुक्त को किस साक्ष्य के आधार पर किस अपराध के लिये गिरफ्तार किया गया है।

अभिलेख पर ऐसी कोई साक्ष्य नहीं है जिससे आधार पर किसी भी अभियुक्तगण के विरुद्ध भा.दं. स की धारा 379 या म.प्र.गौण खनिज अधिनियम की धारा 1996 के तहत अपराध के आरोप गठित किये जा सकें।

उपरोक्त के आधार पर अभियुक्तगण को भा.द.स. की धारा 379 तथा म0प्र0 गौण खनिज अधिनियम 1996 की धारा 53 के अपराध से उन्मोचित किया जाता है।

प्रकरण की उक्त विवेचना मोहन तिवारी सहायक उपनिरीक्षक थाना बडवानी के द्वारा की गयी है प्रथम दृष्टया ही उनके द्वारा साक्ष्य का संकलन उचित एवं पर्याप्त रूप से नहीं किया गया है। माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा ऐसे दिशा निर्देश जारी किये गये हैं कि यदि किसी पुलिस कर्मचारी द्वारा साक्ष्य का संकलन उचित रूप से नहीं किया जाता या न्यायालय के समक्ष मामले को समुचित रूप से प्रस्तुत नहीं किया जाता तो उनके विरुद्ध प्रशासनिक कार्यवाही की जाये।

अभिलेख पर आयी साक्ष्य के आधार पर न्यायालय की यह राय है कि

मोहन तिवारी सहायक उपनिरीक्षक बडवानी के विरुद्ध सुनवायी का उचित अवसर देते हुये उचित अनुशासत्मम कार्यवाही की जाये इस हेतु इस आदेश की एक प्रतिलिपि को पुलिस अधीक्षक बडवानी को भेजा जाये।

प्रकरण मे जप्त वाहन को उनके पंजीकृत स्वामी को वापस किया जाये तथा जप्त रेत को मायनिंग विभाग को वापस किया जाये।

प्रकरण मे अभियुक्तगण के जमानत मुचलके भारमुक्त किये जाते है जमानतदार को उन्मोचित किया जाता है।

प्रकरण का परिणाम पंजी मे दर्ज कर प्रकरण को अभिलेखागार मे भेजा जाये।

(मनोज कुमार तिवारी)
मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट, बडवानी।